(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए। (3)

(i) मेरे को बुलाया है।

(ii) श्रीकृष्ण के अनेकों नाम हैं।

(iii) मैं मेरी कलम से लिखता हूँ।

(iv) यह बालक जा रहे हैं।

(v) मैंने पटना जाना है।

(ङ) निम्नलिखित मुहावरे-लोकोक्तियों में से किन्हीं **तीन** के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइये। (3)

(i) बाल की खाल निकालना

(ii) आगे कुआँ पीछे खाई

(iii) ईंट से ईंट बजाना

(iv) आम के आम गुठलियों के दाम

(v) खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे

6. टिप्पणी लिखिए : (6,6)

(क) संधि **अथवा** विराम-चिह्न

(ख) शब्द और पद में अंतर **अथवा** हिन्दी की मात्राएँ

munotes.in

[This question paper contains 4 printed pages.]

6 Dec 22

Your Roll No..............

06 DEC 2022

Sr. No. of Question Paper : 3210 **C**

Unique Paper Code : 62057502

Name of the Paper : Hindi Bhasha Ka Vyavarik Vyakaran

Name of the Course : **B.A. (Prog.)**

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. व्याकरण को परिभाषित करते हुए भाषा और व्याकरण के अन्त:संबंध को स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

ध्वनि और वर्ण को स्पष्ट करते हुए हिन्दी वर्णमाला लिखिए।

2. शब्द-निर्माण में उपसर्ग और प्रत्यय की भूमिका उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

विशेषण की परिभाषा और उसके भेद उदाहरण सहित लिखिए।

3. क्रिया की परिभाषा देते हुए उसके भेद उदाहरण सहित लिखिए। (12)

अथवा

वाक्य के महत्व को स्पष्ट करते हुए उसके विभिन्न अंगों पर प्रकाश डालिए।

4. अपठित गदयांश के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

लोग बहुधा यह समझते हैं कि व्याकरण पढ़कर वे शुद्ध बोलने और लिखने की रीति सीख लेते हैं। ऐसा समझना पूर्ण रूप से ठीक नहीं। यह धारणा अधिकांश मृत-भाषाओं के सम्बन्ध में ठीक कही जा सकती है, जिनके अध्ययन में व्याकरण से बहुत कुछ सहायता मिलती है। यह सच है कि शब्दों की बनावट और उनके सम्बन्ध की खोज से भाषा के प्रयोग में शुद्धता आ जाती है, पर यह बात मौण है। व्याकरण न पढ़कर भी लोग शुद्ध बोलना और लिखना सीख सकते हैं। कई अच्छे लेखक व्याकरण नहीं जानते अथवा व्याकरण जानकार भी लेख लिखने में उसका विशेष उपयोग नहीं करते। उन्होंने अपनी मातृभाषा का लिखना अभ्यास से सीखा है। शिक्षित लोगों के बच्चे बिना व्याकरण जाने शुद्ध भाषा सुनकर ही शुद्ध भाषा बोलना सीख लेते हैं, पर अशिक्षित लोगों के बच्चे व्याकरण पढ़ लेने पर भी प्रायरू अशुद्ध ही बोलते हैं। एक छोटा बच्चा कोई वाक्य शुद्ध नहीं बोल सकता तो उसकी माँ उसे व्याकरण का नियम नहीं समझाती, वरन् शुद्ध वाक्य बना देती है और बच्चा वैसे ही बोलने लगता है। केवल व्याकरण पढ़ने से मनुष्य अच्छा

लेखक या वक्ता नहीं हो सकता। विचारों की सत्यता अथवा असत्यता से भी व्याकरण का कोई सम्बन्ध नहीं। भाषा में व्याकरण की भूल न होने पर भी विचारों की भूल हो सकती है और रोचकता का अभाव रह सकता है। व्याकरण की सहायता से हम केवल शब्दों का शुद्ध प्रयोग जानकार अपने विचार स्पष्टता प्रकट कर सकते हैं।

(क) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** शब्दों के अर्थ लिखिए। (3)

बहुधा, मृत-भाषा, गौण, मातृभाषा, वक्ता

(ख) गद्यांश में से **तीन** तत्सम शब्द लिखिए। (3)

(ग) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। (2)

(घ) प्रस्तुत गद्यांश का सारांश लिखिए। (4)

5. (क) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं **तीन** शब्दों के उपसर्ग और मूल शब्द अलग-अलग कीजिए- (3)

पराजय, सदाचार, अवचेतन, आजीवन, अपव्यय

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए- (3)

पुस्तकालय, प्रत्येक, पावक, देवेन्द्र, सदैव

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए।

आर्शीबाद, उज्जवल, श्रंगार, स्थायीत्व, विशम (3)

P.T.O.

munotes.in